

भंडारे में श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद, 90 लोगों की हुई नेत्र जांच

गणेशोत्सव में भजनों पर झूमे श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज़ ►► रोहतक

शहर में चल रहे गणेश महोत्सव के दौरान शनिवार को विभिन्न पंडालों में धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। श्री 78 संघ परिवार एवं दुर्गा भवन मंदिर के सहयोग से आयोजित 18वें गणेश महोत्सव के छठे दिन राधा अष्टमी के अवसर पर दोपहर में भंडारे का आयोजन किया गया। शाम को पंडाल में महिलाओं के लिए मेहंदी कार्यक्रम हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया। बाबरा स्थित रॉयल यूथ क्लब द्वारा आयोजित गणेश महोत्सव में भगवान गणेश की आरती राजेश जैन, एम डी, एल पी एस बोसर्ड एवं अन्य अतिथिगण द्वारा की गई। वहीं समर्पण यूथ कल्ब की तरफ से भी भव्य गणेश महोत्सव मनाया गया। जिसमें संस्था आरती में समाजसेवी एवं उद्योगपति



बाबरा स्थित रॉयल यूथ क्लब में भगवान गणेश की पूजा करते महामंडलेश्वर बाबा कपिल पुरी महाराज, राजेश जैन, एमडी, एलपीएस बोसर्ड।

विजेंद्र जैन और कैलाश जैन ने पहुंचकर गणपति बप्पा की आरती की। इसके बाद स्थित रॉयल यूथ क्लब द्वारा आयोजित गणेश महोत्सव में भगवान गणेश की आरती राजेश जैन, एम डी, एल पी एस बोसर्ड एवं अन्य अतिथिगण द्वारा की गई। वहीं समर्पण यूथ कल्ब की तरफ से भी भव्य गणेश महोत्सव मनाया गया। जिसमें संस्था आरती में समाजसेवी एवं उद्योगपति



कम्युनिटी सेंटर, डबल पार्क, मॉडल टाउन में गणपति महोत्सव में झांकी। फोटो : हरिभूमि

पार्क, मॉडल टाउन में गणपति पूजन, महाआरती, भजन संस्था, निशुल्क नेत्र जांच शिविर और बच्चों की नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई। महामंडलेश्वर स्वामी विश्वेश्वरानंद महाराज और आचार्य धर्मबीर प्रसाद वेदपाठी के सानिध्य में पूर्व मेयर मनमोहन गोयल सहित अन्य अतिथियों ने गणपति पूजन और आरती की।

प्रातःकालीन सत्र में कान्हा किड्स स्कूल के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों को उपहार और प्रसाद वितरित किया



श्री 78 संघ परिवार एवं दुर्गा भवन मंदिर में पूजा करते महामंडलेश्वर स्वामी परमानंद महाराज।

गया। शिविर में 90 लोगों को आंखों की जांच की गई और उन्हें नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया।

भजन गायिका संस्कृति राजपूत ने गणपति आराधना के भजनों से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। महिला मंडल की ओर से आयोजित नृत्य प्रतियोगिता में बच्चों ने विभिन्न भजनों और गीतों पर प्रस्तुतियां दी। विजेता बच्चों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय और सात्वना पुरस्कार दिए गए। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और गणेश भक्त मौजूद रहे।



गूंगे गणपति के भजन

रोहतक। देवी चौक के नजदीक खाटू श्याम इक्लेव, जलता कॉलोनी में 12वें श्री गणेश महोत्सव एवं भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत जितेंद्र अग्नी जति और जयपाल शर्मा ने परिवार सहित पहुंचकर पूजा-अर्चना कर की। इस अवसर पर आसपास के श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान भगवान कृष्ण की लीलाओं का गुणगान किया गया। भजन-कीर्तन के दौरान श्रद्धालु झुमते और नृत्य करते नजर आए। आयोजन में गौशाला प्रधान नरेश शर्मा सहित अन्य गणमान्य लोगों ने पहुंचकर सहयोग किया। महोत्सव के दौरान भव्य झांकी भी निकाली गई, जिसे देखने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी। कथा देखने के लिए महिला वशिष्ठ ने कहा कि अनुशासन में रहकर जीवन को सफल बनाया जा सकता है।

लाठी-डंडे व गंडासियों से लैस लोगों पर महिला वकील का घर कब्जाने के प्रयास का आरोप

■ महिला वकील ने एसपी से लगाई सुरक्षा की गुहार, पैसों के लेन देन का बताया विवाद



एसपी से मुलाकात कर अपनी और परिवार की सुरक्षा की मांग की है। महिला वकील के अनुसार, पैसों के लेन-देन को लेकर दूसरे पक्ष के लोग लाठी-डंडे और गंडासियां लेकर उसके घर पहुंचे और परिवार को डगने-धमकाने का प्रयास किया। मामले को लेकर महिला वकील ने

महिला वकील का कहना है कि उसने जब इतनी बड़ी रकम देने से इनकार किया तो दूसरे पक्ष के लोगों ने उसके घर पर पहुंचकर हंगामा किया और कब्जा करने का प्रयास किया। पीड़िता का आरोप है कि हमलावरों की संख्या दर्जनों में थी

एसपी से नांगी सुरक्षा

महिला वकील ने एसपी को दी शिकायत में पूरे मामले की जांच करने तथा आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही उसने आशंका जताई कि विवाद के चलते उसे और उसके परिवार को नुकसान पहुंचाया जा सकता है। पुलिस की ओर से शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

और उनके पास लाठी-डंडे व गंडासियां थीं। उन्होंने घर में घुसकर तोड़फोड़ करने तथा जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद महिला वकील ने पुलिस अधिकारियों से शिकायत कर कार्रवाई और सुरक्षा की मांग की है।

महम में कांग्रेस के अधिवेशन में नेताओं ने दिया संगठन की मजबूती पर जोर

हरिभूमि न्यूज़ ►► महम

महम की पंजाबी धर्मशाला में कांग्रेस का अधिवेशन आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक बलराम दांगी ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा रहे। अधिवेशन को पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कांग्रेस प्रदेश प्रभारी संजय दत्त, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह एवं पूर्व मंत्री आनंद सिंह दांगी ने संबोधित किया। अधिवेशन के दौरान कांग्रेस की विचारधारा को मजबूत करने पर जोर दिया गया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि आज एक बार फिर बीजेपी को इस तानाशाही सरकार के खिलाफ इस लड़ाई में महम के लोगों का साथ मांगने आए हैं। पूर्व आनंद सिंह दांगी ने कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। कांग्रेस प्रदेश प्रभारी संजय दत्त और प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र



महम। मंच पर मौजूद पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा, पार्टी अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, प्रदेश प्रभारी संजय दत्त व अन्य नेता। फोटो : हरिभूमि

सिंह ने भी कार्यकर्ताओं को कांग्रेस की नीतियों एवं विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने का संदेश दिया। इस अवसर पर प्रोफेसर वीरेंद्र सिंह, चक्रवर्ती शर्मा, रोहतक जाट संस्था के उपप्रधान धर्मराज खेड़ी, रोहतक ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष बलवान रंगा, शहरी कांग्रेस अध्यक्ष कुलदीप के.डी. व पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

हरिभूमि न्यूज़ ►► रोहतक

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला रोहतक के विभिन्न सरकारी एवं निजी विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न रचनात्मक एवं जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। अभियान के तहत जिलेभर के 796 सरकारी एवं निजी विद्यालयों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

अभियान के तहत रोहतक एवं कलानौर में भाषण गतिविधि तथा सांपला, महम एवं लाखन माजरा में चित्रकला गतिविधि आयोजित की गई। जिलाभर में आयोजित इन गतिविधियों में कुल 14,910 विद्यार्थियों ने भाग लिया। सेवा संकल्प अभियान को सफल बनाने में अभिभावकों, स्कूल प्रबंधन समितियों (एसएमसी), शिक्षकों तथा पंचायती राज संस्थाओं के सदस्यों ने भी सक्रिय



सहभागिता निभाई। जिला प्रशासन की ओर से अभियान में सक्रिय भागीदारी करने वाले सभी विद्यालयों, विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों, एसएमसी सदस्यों एवं पंचायती सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया। अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच, आत्मविश्वास, सामाजिक जिम्मेदारी और सेवा भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

एसजेके कॉलेज की गवर्निंग बॉडी की हुई बैठक

रोहतक। सत जीन्दा कल्याण कॉलेज, कलानौर में शनिवार को एसजेके कॉलेज एवं एसजेके कॉलेज ऑफ एजुकेशन की गवर्निंग बॉडी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष शादी लाल बत्रा ने की। संरक्षक महंत सुखलाल दास महाराज की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक में सचिव महेंद्र कुमार खुराना, कोषाध्यक्ष हेमंत बत्रा, विश्वविद्यालय के नामांकित सदस्य प्रो. राखीप राणा एवं प्रो. अनिल सहरावत सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। कॉलेज प्राचार्य डॉ. नरेश कुमार और एसजेके कॉलेज ऑफ एजुकेशन की प्राचार्य डॉ. कंचन ने शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों की जानकारी प्रस्तुत की। प्राचार्य डॉ. नरेश कुमार हुआ ने कहा कि नए पाठ्यक्रम, मकटीपज हल और खेल गतिविधियों के विस्तार की दिशा में किए जा रहे प्रयास महाविद्यालय के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर डॉ. विकास कुमार, डॉ. दीपा जुनेजा, डॉ. सुमन अरोड़ा, पूजा और संजय कुमार भी मौजूद रहे।

शैक्षणिक उपलब्धियों पर विद्यार्थियों को मिले पुरस्कार

रोहतक। भिवाली रोड स्थित एसबी मॉडल स्कूल में विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शैक्षणिक क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीईईओ रोहतक बिजेंद्र हुड्डा रहे। मुख्य अतिथि ने कहा कि विद्यार्थी अपने लक्ष्य को निश्चित कर अनुशासन के साथ मेहनत करें तो सफलता हासिल कर सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी जागरूक किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या कृष्णा रोहिल्ला एवं प्रबंधक राजवीर रोहिल्ला ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की उपलब्धियां अन्य बच्चों को भी मेहनत करने के लिए प्रेरित करती हैं। कार्यक्रम में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समारोह के दौरान विद्यार्थियों को उनके शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए सम्मानित किए जाने से विद्यालय में उत्साह का माहौल रहा।



केटीएम पब्लिक स्कूल में शिक्षकों को दिया प्रशिक्षण

रोहतक। के.टी.एम. पब्लिक स्कूल में सीबीएसई के मानक शिक्षकों में शिक्षकों के लिए एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्ट्रेटरीटेलिंग एज ए पेडगॉजी विषय पर आयोजित कार्यशाला में शिक्षकों को कहानी वाचन के माध्यम से शिक्षण को अधिक प्रभावी एवं रोचक बनाने की तकनीकों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में शिक्षा भारती स्कूल की पीजीटी फिजिवस नीलम और सेंट मैरी स्कूल, बहु अक्षरपुर की पीजीटी इग्लिश डॉ. प्रतिभा ने रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया। विद्यालय की प्राचार्य डॉ. मीना ने विशेषज्ञों का स्वागत किया। डॉ. प्रतिभा ने भाषा शिक्षण में कहानी वाचन की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कहानी विद्यार्थियों में कल्पनाशीलता, रचनात्मकता और संवाद कौशल विकसित करने में सहायक है। शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्राचार्य ने रिसोर्स पर्सन का आभार जताते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण से शिक्षकों के कौशल में निखार आता है। अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।



आहुति के साथ 1100 प्रशिक्षणार्थियों ने शुरु किया नया सफर

रोहतक। पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय (पीटीसी) सुनारिया में शनिवार को हवन यज्ञ के साथ नए सत्र के लोअर स्कूल कोर्स का शुभारंभ किया गया। पुलिस महानिरीक्षक, पीटीसी आशीष कुमार के दिशा-निर्देश में आयोजित हवन का उद्देश्य परिसर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार और प्रशिक्षणार्थियों के नए सत्र की मंगल शुरुआत करना है। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक, पीटीसी ध्यान सिंह के साथ करीब 1100 प्रशिक्षणार्थियों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य पुलिस बल को अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और जिम्मेदारी के साथ बेहतर तरीके से तैयार करना है। नए बैच से प्रदेश को आने वाले वर्षों में कुशल और समर्पित पुलिसकर्मी मिलने की उम्मीद जताई गई।

हरिभूमि न्यूज़ ►► रोहतक

उपायुक्त सतबीर सिंह ने कहा कि अधिकारी नागरिकों को प्राथमिकता के आधार पर शुद्ध एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध करवाने के सभी प्रबंध सुनिश्चित करें। पानी के उचित उपचार के बाद ही नागरिकों को पेयजल आपूर्ति किया जाए। वे हरियाणा उदय कार्यक्रम के तहत जिला के गांव नांदल स्थित शहीद पंकज नांदल राजकीय उच्च विद्यालय परिसर में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित रात्रि ठहराव कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि उपस्थितगण को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व उन्होंने अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार, सहायक आयुक्त प्रशिक्षु विशाल सिंह, उपमंडलाधीश आशीष कुमार, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजपाल चहल के साथ विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का अवलोकन किया। उपायुक्त सतबीर सिंह ने कृषि उप निदेशक डॉ. सुरेंद्र



मलिक को निर्देश दिए कि वे रासायनिक खाद के साथ बीज अथवा कीटनाशक दवाई लेने के लिए किसानों को मजबूर करने वाले खाद विक्रेताओं की जांच करें तथा नियमों का उल्लंघन मिलने पर संबंधित खाद विक्रेताओं के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करें। सतबीर सिंह ने कहा कि गांव वासियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए जलधर के मौजूदा वाटर टैंक तथा निर्माणाधीन वाटर टैंक के बैड आरसीसी बनाए जाएंगे ताकि भूमिगत जल को इन टैंकों के जल मिलावट न हो। इसके लिए जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा

यह रहे मौजूद

रात्रि ठहराव कार्यक्रम में अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार, सहायक आयुक्त प्रशिक्षु विशाल सिंह, उपमंडलाधीश आशीष कुमार, पुलिस उपाधीक्षक तनुज शर्मा, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजपाल चहल, सिविल सर्जन डॉक्टर कमला वर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी मनजीत मलिक, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी रोहन एवं मुकुल बहिया, आकाश नांदल, डीपीसी सुमन हुड्डा, जिला मत्स्य अधिकारी आशा हुड्डा अहलावत, कृषि उप निदेशक डॉ. सुरेंद्र सिंह जिला समाज कल्याण अधिकारी महावीर गोदारा सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

लगभग 5 करोड़ रुपए का रफ कौस्ट एस्टीमेट मंजूर करवाया गया है। उन्होंने गांव स्थित शहीद पंकज नांदल राजकीय उच्च विद्यालय की क्षतिग्रस्त चारदीवारी के निर्माण तथा प्राइमरी स्कूल के कमरों के निर्माण बारे भी शिक्षा विभाग की अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

न्यूज़ डायरी



भगवान पुष्पदंत का मोक्ष कल्याणक उत्सव मनाया

रोहतक। सेक्टर-1 स्थित 1008 भगवान पार्वतचर्य दिगंबर जैन गजयत्र मंदिर में एलपीएस परिवार की ओर से चल रहे दशरक्षण महापर्व के चौथे दिन भगवान पुष्पदंत का मोक्ष कल्याणक उत्सव मनाया गया। मौडिया प्रमारी राजीव जैन ने बताया कि सुबह श्रद्धालुओं ने श्रीजी का जलामिषेक और महाश्रांति धारा की। इसके बाद मंदिर में प्रातः पंडित व श्रद्धालुओं द्वारा श्रीजी का जलामिषेक एवं महाश्रांति धारा समाज सेवी उद्योगपति राजेश जैन व विजय जैन व श्रद्धालुओं के द्वारा संपन्न की गई। प्रतिठाचार्य बालब्रह्मचारी नितिन मैया, विधानाचार्य पंडित अनिल जैन व पंडित देवेन्द्र जैन अनमोल के सानिध्य में विभिन्न पूजन विधान संपन्न हुए। शाम को संगीतमय महाआरती हुई और भगवान पुष्पदंत के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठा।



कला को शिक्षण से जोड़ने की तकनीकें सीखीं

रोहतक। पठानिया पब्लिक स्कूल, सेक्टर-34 सनसिटी में शनिवार को सीबीएसई क्षमता निर्माण कार्यक्रम के तहत 'आर्ट इंटीग्रेशन' विषय पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन सुखविंदर सिंह एवं रितु चावला ने शिक्षकों को कला को शिक्षण प्रक्रिया से जोड़ने की विभिन्न रचनात्मक एवं प्रभावी तकनीकों की जानकारी दी। इस अवसर पर स्कूल को-फाउंडर वरुण पठानिया, निदेशक अंशुल पठानिया, प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया, उप-प्रधानाचार्या प्रीति दांडा, सुनीता मीर और हेड मिस्ट्रेस सुमन राठी ने कार्यक्रम की सराहना की। कार्यक्रम में पठानिया स्कूल सहित अन्य स्कूलों के शिक्षकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।



विद्यार्थियों ने चोको-पाई बनाने की प्रक्रिया देखी

रोहतक। क्यावर्क मोदी अकादमी, रोहतक के विद्यार्थियों ने हाल ही में लोटे इंडिया कॉर्पोरेशन लिमिटेड का शैक्षणिक एवं औद्योगिक भ्रमण किया। पूर्व में द स्टार व्हेलबल स्कूल के नाम से संघालित विद्यालय के विद्यार्थियों के इस भ्रमण का उद्देश्य उन्हें कक्षा से बाहर व्यावहारिक ज्ञान देने के साथ आधुनिक विनिर्माण प्रक्रिया और कंपोस्ट कार्यप्रणाली से परिचित कराना था। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने जाना कि आधुनिक तकनीक, गुणवत्ता नियंत्रण और सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए उत्पादों का निर्माण किस प्रकार किया जाता है। औद्योगिक भ्रमण की योजना लोटे इंडिया कॉर्पोरेशन की एचआर हेड अंजू शर्मा द्वारा तैयार की गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य राजीव दाका ने लोटे इंडिया कॉर्पोरेशन का धन्यवाद किया।



युवाओं की भूमिका पर विद्यार्थियों ने रखे विचार

रोहतक। श्री बाबा मस्तनानाथ पब्लिक स्कूल में सेवा संकरूप अभियान के तहत 'विकसित भारत 2047' विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में कक्षा नौवीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका, राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारियों और देश के उज्जवल भविष्य से जुड़े विचार प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में हिरोपी, एलक एवं दिशा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। तबजोत एवं काजल द्विवेदी तथा त्रुष्टिका, पूरुष एवं मय्या तृतीय स्थान पर रहे। प्रधानाचार्य कमला विल ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी। निदेशक पी.एन. मुजुर् ने कहा कि युवा विकसित भारत के संकरूप में योगदान दे सकते हैं।



टिंवकल बर्नी मिस फ़ेशर, रमन मिस्टर शहर

रोहतक। रानी सह शिक्षा महाविद्यालय, रोहतक में शनिवार को नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत के लिए फ़ेशर पार्टी-2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. भीम सिंह पंवार एवं उप-प्राचार्य डॉ. सरिता यादव ने नवागंतुक विद्यार्थियों को स्वागत एवं प्रोत्साहन किया। समारोह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिता के आधार पर बीए प्रथम वर्ष की टिंवकल को मिस फ़ेशर-2026 तथा बीकॉम प्रथम वर्ष के रमन को मिस्टर फ़ेशर-2026 चुना गया। उप-प्राचार्य डॉ. सरिता यादव ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।



मॉडल टाउन में कट व स्टाइल सैलून लॉन्च

रोहतक। मॉडल टाउन में डबल पार्क के पास शुकुवार को अल्ट्रा लज्जरी सैलून कट व स्टाइल सैलून का भव्य शुभारंभ किया गया। समारोह में आशा हुड्डा, डॉ. मरक बत्रा, निष्ठा पंवार, ज्योति चहल और पावनो नागावाल को सम्मानित किया गया। सैलून संचालक सीमा और शौर्या ने बताया कि उनका उद्देश्य ब्यूटी एवं हेयर केयर के क्षेत्र में कुछ नया करने के साथ रोहतक में सैलून के बदलते ट्रेंड को नई दिशा देना है। संचालकों ने कहा कि ब्यूटी इंडस्ट्री में लगातार बदलाव हो रहे हैं और ग्राहक भी आधुनिक सेवाओं की ओर आकर्षित हो रहे हैं। सैलून में नई तकनीक को शामिल करने का प्रयास किया गया है।



निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में 135 लोगों की जांच

रोहतक। सूर्य कवि दत्ता लखौचंद मेमोरियल धर्मशाला में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 135 लोगों ने स्वास्थ्य की जांच करवाई। राणा हॉस्पिटल की ओर से नर्सिंग ऑफिसर रवि ने निशुल्क दवाओं का वितरण किया। चिकित्सकीय टीम में डॉ. मन्ना, डॉ. सबनी, डॉ. आशीष सुखान, डॉ. एकरा, डॉ. अंकुर वर्मा, डॉ. मोहित दांडा, डॉ. रमेश चंद्र, डॉ. खीता बरक डॉ. श्वेता यादव और डॉ. सचिन शामिल रहे। नर्सिंग सेवाएं रविना, सीमा, रेखा, रवि और राहुल ने दी। धर्मशाला समिति के प्रधान शीलकराम उर्फ बिल्लू पंडित, महासचिव हरेश वशिष्ठ, पूर्व प्रधान मामन राम, पूर्व कोषाध्यक्ष मारुटर रमेश शर्मा सहित अन्य सदस्यों ने अस्पताल की टीम का आभार जताया। बुजुर्गों की सेवा के लिए मोहित मलिक और बिल्लू पंडित को गांव गौरव सम्मान भी दिया गया।

इंटरनेशनल बॉक्सिंग ब्लास्ट फाइट नाइट सीरीज-1 में जमकर चले पंच

रोहतक। मानसरोवर पार्क में हरियाणा बॉक्सिंग संघ की ओर से इंटरनेशनल बॉक्सिंग ब्लास्ट फाइट नाइट सीरीज-1 का भव्य आयोजन हरियाणा बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष मेजर सत्यपाल सिंधु की अध्यक्षता और मार्गदर्शन में किया गया। फाइट नाइट में देशभर से ट्रायल के माध्यम से चयनित सीनियर वर्ग के नेशनल और इंटरनेशनल स्तर के प्रतिभाशाली मुक्केबाजों ने हिस्सा लिया। रोमांचक मुकाबलों को देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक मानसरोवर पार्क पहुंचे। इस प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि हरियाणा बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष मेजर सत्यपाल सिंधु और एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन ने शिरकत की।



युवाओं को खेलों से जोड़ना आयोजन का मुख्य उद्देश्य
आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को खेलों के प्रति जागरूक करना और बॉक्सिंग की प्रतिभाओं को बेहतर मंच उपलब्ध करवाना है। आयोजकों का कहना है कि आज के दौर में युवा सोशल मीडिया, नशे और अन्य भटकनों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। ऐसे में खेल गतिविधियां युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने के साथ उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास और मेहनत की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

मानसरोवर पार्क में उमड़ी दर्शकों की भीड़, देशभर से पहुंचे मुक्केबाज



मेजर सत्यपाल सिंधु बोले - खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के साथ बड़े मंच की जरूरत
हरियाणा बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष मेजर सत्यपाल सिंधु ने कहा कि संघ का प्रयास है कि प्रदेश में बॉक्सिंग को जमीनी स्तर से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक मजबूत किया जाए। खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के साथ बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने के अवसर भी मिलने चाहिए। फाइट नाइट सीरीज इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

राजेश जैन बोले- युवाओं को सही दिशा देना जरूरी
एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन ने कहा कि युवाओं को सही दिशा देने के लिए खेल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस तरह के खेल आयोजन बच्चों और युवाओं को मैदान से जोड़ते हैं तथा उनमें अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास पैदा करते हैं। उन्होंने कहा कि समाज को मिलकर युवाओं को खेलों की ओर प्रोत्साहित करना चाहिए।

ओमबीर हुड़ा बोले- प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा
हरियाणा बॉक्सिंग संघ के जनरल सेक्रेटरी ओमबीर हुड़ा ने कहा कि संघ आने वाले समय में भी खिलाड़ियों के लिए इस तरह के आयोजन करता रहेगा। उद्देश्य प्रदेश की बॉक्सिंग प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध करवाना है। उन्होंने कहा कि फाइट नाइट सीरीज खिलाड़ियों के लिए प्रतिस्पर्धात्मक अनुभव हासिल करने का बेहतर मंच साबित होगी।

हर दो महीने में अलग अलग जिले में कार्यक्रम
रोहतक शहर से शुरू हुई इस पहल को लेकर संघ की योजना है कि भविष्य में इस तरह के आयोजन हर दो महीने में अलग-अलग जिलों में भी किए जाएं। संघ का दीर्घकालिक विजन इसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने का है, जिसके लिए आमजन, खिलाड़ियों व अभिभावकों के सहयोग और प्रयासों की आवश्यकता है।



ये रहे मौजूद
इस अवसर नवीन हुड़ा ज्वाइट सेक्टेरी हरियाणा बॉक्सिंग संघ, इंटरनेशनल बॉक्सर व कोच संजीव, विशेष लाकड़ा (कोर कमेटी सदस्य), डॉ. संदीप मोर (सेक्रेटरी, हरियाणा बॉक्सिंग संघ), डॉ. राजीव (संचालक, स्वर्ण आयुर्वेद) कुमार समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

नेकीराम कॉलेज में सेवा संकल्प अभियान पखवाड़ा के तहत छात्रों ने किया पौधरोपण

रोहतक। पंडित नेकीराम शर्मा राजकीय महाविद्यालय रोहतक में सेवा संकल्प अभियान पखवाड़ा के अंतर्गत शनिवार को पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रोफेसर सुरेंद्र सांगवान ने किया। इस दौरान महाविद्यालय परिसर में आवला, नीम, आम और जामुन सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। प्राचार्य ने कहा कि वृक्ष मनुष्य के सबसे अच्छे मित्र हैं। इस अवसर पर डॉ. अनिल दाका, सुरेंद्र गुलिया, डॉ. मोनू, डॉ. सुरेंद्र दलाल, रामकुश आदि रहे।

हरियाणा एक्स सर्विस लीग में ग्रेनेडियर्स एसोसिएशन के पूर्व सैनिकों की बैठक आज
रोहतक। ग्रेनेडियर्स एसोसिएशन के पूर्व सैनिकों की बैठक 20 सितंबर को सुबह 10 बजे हरियाणा एक्स सर्विस लीग के समारोह में आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता मेजर एस्के साहू करेंगे। एसोसिएशन के सचिव ने बताया कि बैठक में पूर्व सैनिकों को सरकार की ओर से संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही पूर्व सैनिक अपनी व्यक्तिगत अथवा अन्य समस्याओं को भी बैठक में अध्यक्ष के समक्ष रख सकेंगे, ताकि उनके समाधान के लिए उचित कार्रवाई की जा सके। उन्होंने सभी सदस्यों से बैठक में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया। बैठक के दौरान एसोसिएशन के सदस्यों को उनकी सेवाओं और सहभागिता के लिए स्मृति चिह्न देकर सम्मानित भी किया जाएगा।

सेवा संकल्प अभियान के तहत अंगदान और नेत्रदान जागरूकता सेमिनार हुआ

रोहतक। सेवा संकल्प अभियान के तहत मेडिकल कॉलेज की ओपीडी में अंगदान एवं नेत्रदान जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। उपायुक्त एवं स्वास्थ्य विभाग एवं मेडिकल कॉलेज के अंगदान विभाग के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में समाज को एक महत्वपूर्ण संदेश दिया गया हमारे जाने के बाद भी हमारी आंखें किसी की दुनिया रोशन कर सकती हैं और हमारे अंग किसी जरूरतमंद को नया जीवन दे सकते हैं। पूर्व नेत्र अधिकारी दिनेश शर्मा ने कहा कि हमें नेत्रदान को अपने परिवार की परंपरा और सामाजिक संस्कार बनाना चाहिए। मौके पर समाजसेवी जगत सिंह गिल, समाजसेवी काला मायना, पर्यावरण गीन मैन शिव कुमार, राजेंद्र शर्मा, रोशन लाल, शिव चरण, रेनु कम्बोज, नीरू, निशा मैडम, अमित, नवीन, जयदीप, ललित, पीजीआई रक्षा विभाग से सुपरवाइजर सुभाष राजबीर बहिया, संजय मलिक आदि रहे।

खेल युवाओं को नशे से दूर रखने का माध्यम : डीसी

रोहतक। उपायुक्त सतबीर सिंह ने कहा कि हरियाणा प्रदेश की पहचान यहां के खेल और खिलाड़ियों से है। खेलों के माध्यम से युवाओं को स्वस्थ एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाने के साथ-साथ नशे जैसी सामाजिक बुराईयों से दूर रखा जा सकता है। युवाओं को चाहिए कि वे अपनी ऊर्जा खेलों में लगाएं और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दें। सतबीर सिंह ने शनिवार को भिवानी रोड स्थित 22 यादूस क्रिकेट फैकल्टी मैदान में आयोजित नवो टेनिस बॉल क्रिकेट लीग (एनबीएलएल) 2026 के तहत रोहतक में खेले गए क्रिकेट मैच का शुभारंभ करने के उपरान्त मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने क्रिकेट मैच के आयोजक युवा भाजपा नेता हिमांशु गोहर व सचिव नांदल को आयोजन के लिए बधाई दी। सतबीर सिंह ने कहा कि इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं नशामुक्त भारत की दिशा में मजबूत कदम हैं।

अब दृष्टिबाधित भी खेल सकेंगे फुटबॉल मैच रोहतक में बना पहला विशेष अभ्यास मैदान

रोहतक। अब दृष्टिबाधित बच्चों भी सुरक्षित माहौल में फुटबॉल का अभ्यास कर सकेंगे और प्रतियोगिताओं की तैयारी कर सकेंगे। रोटी क्लब ऑफ रोहतक नेक्स्ट की ओर से दृष्टिबाधित बच्चों के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए काह्ला प्रेटिस्ट एरिया का शनिवार को उद्घाटन किया गया। इसे रोहतक में दृष्टिबाधित खिलाड़ियों के लिए तैयार किया गया पहला विशेष फुटबॉल अभ्यास मैदान बताया गया। रोटेरियन अतुल बंसल के नेतृत्व में ज्योति बंसल,कशिश बंसल, साहिल अरोड़ा, अनु बंसल, रिश्म्वत जैन व गीतिका जैन सहित क्लब की टीम ने इस पहल को साकार करने में योगदान दिया।

पीजीआई पार्किंग में बाइक चोरी की जांच पहुंची पांच वारदातों तक

रोहतक। पीजीआईएमएस की पार्किंग से मोटरसाइकिल चोरी की एक वारदात की जांच पुलिस को शहर और आसपास के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई चार अन्य बाइक चोरी की घटनाओं तक ले गई। पुलिस ने झज्जर जिले के छारा निवासी अक्षय को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी हुई मोटरसाइकिल बरामद कर ली गई है। पूछताछ में उसने सांपला, सविल लाइन, जीआरपी और पीजीआईएमएस थाना क्षेत्र से एक-एक मोटरसाइकिल चोरी करने की वारदात का खुलासा किया है। अदालत के आदेश पर उसे दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और रिमांड के दौरान अन्य वारदातों तथा चोरी के वाहनों के संबंध में पूछताछ की जाएगी।



HARTRON (हरियाणा सरकार का उपक्रम)

COMPUTER TRAINING & SKILL CENTRE

हार्ट्रोन डिजिटल सभी सरकारी विभाग व निजी कंपनियों में मान्य

AS PER HARYANA GOVT. NOTIFICATION DATED 19/08/19 SETC (PART-1) EXEMPTED AFTER 3 MONTHS ON YEAR COURSES

Diploma/Certificate Course in

- Software
- Financial Accounting
- Web Technology
- Desktop Publishing
- Hardware & Networking

Short Term Courses

- Office Automation
- Digital Marketing
- Software Testing
- Fundamental of Cyber Security

Features

- Computer Courses as per current IT market
- Excellent Curriculum
- Regular/Part time classes
- Well Trained and Qualified Faculty
- CCTV, Biometric Attendance System
- Flexible Timing for job Holders
- Air-Conditioned Labs & Theory Rooms
- Computer Labs for Practice Sessions

185, Huda Complex, Near ZAD Global School, Rohtak
M. 7404288876, 7419488930

सुपवा में दो दिवसीय आईएफएफएच शुरू, पुरस्कार वितरण आज ‘मुआवजा’ से फिल्म फेस्टिवल का आगाज

हरिभूमि न्यूज >>> रोहतक

दादा लखी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) में शनिवार को हरियाणवी फिल्म ‘मुआवजा’ की स्क्रीनिंग के साथ दो दिवसीय इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ हाइफा (आईएफएफएच) शुरू हो गया। इसका आयोजन हरियाणी इन्वेस्टिव फिल्म एसोसिएशन (हाइफा) की ओर से कराया जा रहा है। डीएलसीसुपवा इसमें सहयोगी की भूमिका निभा रही है, जबकि स्ट्रेज ऐप इसका स्पॉन्सर है। इसका समापन रविवार, 20 सितंबर को देर शाम ऑनर्ड वितरण के साथ होगा। फिल्म फेस्टिवल की औपचारिक शुरुआत से पहले मां सरस्वती के समझ दीप प्रज्ज्वलन किया



गया। इसके बाद वंदेमातरम् व सुपवा का कुलगीत प्रस्तुत किया गया। मौजूद अतिथियों ने आईएफएफएच के फैललाग का विधिवत विमोचन किया। सुपवा की ओर से फिल्म फेस्टिवल में पहुंचे अतिथियों का रजिस्ट्रार डॉ गुंजन मलिक मनोचा व डीन अकेडमिक अफेयर्स डॉ विरपण के साथ होगा। फिल्म फेस्टिवल की औपचारिक शुरुआत से पहले मां सरस्वती के समझ दीप प्रज्ज्वलन किया

मास्टर क्लास में बताई फिल्म निर्माण की बारीकियां
फिल्म फेस्टिवल के पहले दिन फिल्म निर्माण में रुचि रखने वाले प्रतिभागियों के लिए एक विशेष मास्टर क्लास आयोजित की गई। इसमें बॉलीवुड फिल्मों के निर्माता-निदेशक अश्विनी चौधरी ने फिल्म निर्माण की बारीकियों, कहानी कहने की कला व निदेशन की प्रक्रिया से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। चौधरी ने कहा कि एक अच्छी फिल्म की शुरुआत मजबूत कहानी और विषय की स्पष्ट समझ से होती है।

सुपवा की फिल्म एवं टेलीविजन फैकल्टी स्थित मिनी ऑडिटोरियम में चल रहे फिल्म फेस्टिवल की शुरुआत 53 मिनट लंबी, रणजीत चौहान निर्देशित हरियाणवी फिल्म ‘मुआवजा’ से हुई।

यूआईटी के छात्रों ने जाना सॉफ्ट इंक का उत्पादन



रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के यूआईटी के बीोट बायोटेक्नोलॉजी के 56 विद्यार्थियों ने रोहतक स्थित एनरिव एगो फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के सॉफ्ट इंक शैक्षणिक भ्रमण किया। इस भ्रमण में विद्यार्थियों ने सिबिन्न प्रकर के संतर्क ड्रिंक एवं जूस के उत्पादन, जल की पैकेजिंग तथा पायलट स्तर पर उत्पादन प्रक्रियाओं की व्यावहारिक जानकारी हासिल की।विशेषज्ञों एवं तकनीकी कर्मचारियों ने विद्यार्थियों को उत्पादन प्रक्रिया, गुणवत्ता नियंत्रण, जल संधिधन तथा औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। शैक्षणिक भ्रमण के शिक्षक प्रमारी प्रो. मनजीत कौर एवं डॉ. विकास दुल रहें। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के औद्योगिक भ्रमण विद्यार्थियों को कक्षा में प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक औद्योगिक परिस्थितियों से जोड़ने में मदद करते हैं तथा उन्हें उद्योग की कार्यप्रणाली और रोजगार की आवश्यकताओं को समझने का अवसर प्रदान करते हैं।

21 से 23 सितंबर तक होंगे राज्य स्तरीय स्कूली खेल

रोहतक। उपायुक्त सतबीर सिंह ने बताया कि रोहतक में 21 से 23 सितंबर 2026 तक 59वें राज्य स्तरीय स्कूली खेल (2026-27) का आयोजन किया जाएगा। इन प्रतियोगिताओं में हॉकी तथा योग के मुकाबले आयोजित होंगे, चिन्नमें प्रदेशभर से खिलाड़ी एवं स्कूल टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिताओं के सफल एवं सुचारु आयोजन के लिए जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न विभागों के सहयोग से संचालित किया जाएगा। शैक्षणिक भ्रमण के शिक्षक प्रमारी प्रो. मनजीत कौर एवं डॉ. विकास दुल रहें। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के औद्योगिक भ्रमण विद्यार्थियों को कक्षा में प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक औद्योगिक परिस्थितियों से जोड़ने में मदद करते हैं तथा उन्हें उद्योग की कार्यप्रणाली और रोजगार की आवश्यकताओं को समझने का अवसर प्रदान करते हैं।



कवर स्टोरी / अंशु सिंह

हाल के वर्षों में हमारे यात्रा करने के तरीके में एक अलग तरह का बदलाव आ रहा है। तेजी से घूमने-फिरने और व्यस्त शेड्यूल के बजाय अब लोग घुमकड़ी के दौरान आराम, शांति और सुकून भरे पलों की तलाश कर रहे हैं। इसे स्लीपकेशन या स्लीप टूरिज्म कहा जा रहा है। यानी एक ऐसी सोच-समझकर की गई धीमी गति वाली यात्रा, जो भाग-दौड़ के बजाय आराम को प्राथमिकता देती है।

सोने के लिए जा रहे घूमने

पेशे से चिकित्सक मेघना सेठ की दिनचर्या कुछ ऐसी रहती थी कि उन्हें नींद पूरी करने के लिए जद्दोजहद करनी पड़ती थी। नींद की इस कमी का असर कहीं न कहीं उनके मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने लगा था। उनके व्यवहार में हल्का चिड़चिड़ापन भी आ गया था, जो उनके पेशे के लिए सही नहीं था। उनके कुछ दोस्तों ने उन्हें कहीं घूमने जाने की सलाह दी और मेघना निकल पड़ीं, दोस्तों के साथ चार दिन के वीकेंड ट्रिप पर। लेकिन पहले दिन के गुजरते ही उन्होंने सबको साफ-साफ कह दिया कि वे अब और कहीं घूमेंगी नहीं, बल्कि कमरे में आराम करेंगी और अपनी नींद पूरी करेंगी। दोस्तों को पहले पहल उनका साथ घूमने से इंकार करना अच्छा नहीं लगा। कुछ देर तक सबने मौन साध लिया। लेकिन फिर मेघना ने उन्हें राजी कर लिया और इस तरह अगले दो दिन वे रिजॉर्ट में ही रहीं। गुरुग्राम के एक एमएनएस में सीनियर एनालिस्ट अमित मिश्रा भी जब कभी फैमिली ट्रिप पर जाते हैं, तो ये सुनिश्चित करते हैं कि वहां उन्हें अपनी नींद पूरी करने का पूरा मौका मिले। इसलिए वे ज्यादा भाग-दौड़ या आस-पास के इलाकों को एक्सप्लोर करने के बजाय रिजॉर्ट में रहकर ही छुट्टियां मनाने को प्राथमिकता देते हैं।



गजल
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

याद नहीं करता कोई भी

याद नहीं करता कोई भी वक्त निकल जाने के बाद
लथ छोड़ देते हैं अक्सर लोग संगल जाने के बाद

इस जग का दस्तूर यही है सब साथी हैं त्रियायारे के
घुस जाते हैं लोग घरों में सूरज ढल जाने के बाद

रूप-रंग, कौमार्य उसे नित बांधे रखता है गुलशन से
पास नहीं जाता फिर भौंरा गुल के फल जाने के बाद

इश्क हुआ तो बेफिक्री में कुछ भी संभव हो जाता है
ढल जाता है हर सांघे में लोह पिघल जाने के बाद

दिल से जो भी निकलेगा वो लौट नहीं पाएगा फिर से
जैसे लौट नहीं पाता है बीता कल जाने के बाद

केवल आप प्रतीक्षा करिए दिन के ढल जाने का 'नवरंग'
परवानों की भीड़ लगेगी शम्भा जल जाने के बाद

स्लीपकेशन घुमकड़ी के साथ मिलेगी भरपूर आराम वाली नींद

आज की भाग-दौड़ भरी जीवनशैली में अधिकतर लोगों को सुकून और चैन भरी नींद की कमी अक्सर महसूस होती है। इस कमी को पूरा करने में स्लीपकेशन का ट्रेंड बहुत कारगर साबित होता है। जहां घूमने के साथ ही भरपूर आराम का भी मौका मिलता है। स्लीपकेशन क्या है, इसका ट्रेंड क्यों बढ़ रहा है, आप भी जानना चाहेंगे।

क्या है स्लीपकेशन

स्लीपकेशन, यात्रा का एक ऐसा रूप है जहां आपका ध्यान आपके आस-पास की हर चीज की खोज से हटकर, खुद से दोबारा जुड़ने पर केंद्रित हो जाता है। कोई जल्दबाजी वाली सुबह नहीं। हर सेकेंड का 'अधिकतम उपयोग' करने का कोई दबाव नहीं। इसके बजाय आप निर्बाध नींद के बाद धीमी, सचेतन सुबह का आनंद ले सकते हैं। एक ऐसा समय बिता सकते हैं, जिसका कोई हिसाब नहीं होता है। वैश्विक स्तर पर इस विचार को लोकप्रियता मिल रही है, क्योंकि लोगों ने यह पहचानना शुरू कर दिया है कि शहरों की आधुनिक जीवनशैली हमें लगातार अतिउत्तेजित और चुपचाप थका देती है। वैसे में एक स्लीपकेशन बिना किसी अपराध बोध के आराम करने की अनुमति देता है। हालांकि भारत में 'स्लीपकेशन' का कॉन्सेप्ट अभी काफी नया है। लेकिन यह धीरे-धीरे सोच-समझकर की जाने वाली यात्राओं का हिस्सा बनता जा रहा है।

नींद की कमी से परेशान हैं लोग

आज के दौर में बेशुमार काम, जिम्मेदारियों, रिश्तों को संभालना और रोजमर्रा की जिंदगी के लगातार मानसिक बोझ के बीच तालमेल बिठाना जरूरी हो गया है। इस बारे में वरिष्ठ मनोचिकित्सक गगनदीप कौर कहती हैं, 'दुनिया में नींद की कमी वाले देशों में जापान के बाद भारत दूसरे नंबर पर है। देश में नींद की कमी की समस्या पहले से ही मौजूद डायबिटीज, मोटापा,

अनोखा होता है स्लीपकेशन का अनुभव

- ▶ इसमें व्यक्ति को सुबह बिना आलार्म के जागना होता है।
- ▶ बादलों को घुमड़ते हुए देखने के साथ कोई गर्म पेय पीना।
- ▶ अपने विचारों को लिखना या पूरी तरह से शांति में बैठना।
- ▶ बिना किसी मंजिल के लंबी सैर पर थुं ही घूमने निकल जाना।
- ▶ इसमें कोई तय कार्यक्रम नहीं होता। हर पल को रिकॉर्ड करने का कोई दबाव नहीं होता।
- ▶ स्लीपकेशन के दौरान धीरे-धीरे कुछ बदलाव महसूस होते हैं।
- ▶ मेडिटेशन से मन शांत होने लगता है।
- ▶ शरीर आराम महसूस करने लगता है।

इसलिए बढ़ रहा स्लीपकेशन का ट्रेंड

यूपएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन जैसे बड़े हेल्थ ग्रुप्स के दिशा-निर्देशों की मानें, तो ज्यादातर स्वस्थ वयस्कों को बेहतर ढंग से काम करने के लिए हर रात 7 से 9 घंटे की नींद की जरूरत होती है। लेकिन 'लोकल सर्कलस' का एक सर्वे बताता है कि आज लगभग 10 में से 6 भारतीय वयस्कों को छह घंटे से भी कम की बिना रुकावट वाली नींद मिलती है। करीब 50 फीसदी से अधिक काम-काजी लोग नींद की कमी से जूझ रहे हैं। इससे दिमाग पर बोझ बढ़ रहा है और वे

थका हुआ महसूस करते हैं। इस 'स्लीप डेब्ट' को दूर करने के लिए ही स्लीपकेशन पर जाने का चलन बढ़ रहा है।

टूरिज्म सेक्टर का नया बाजार

आज कई बड़े टूरिज्म कॉर्पोरेट्स ने इस नए बाजार को देखते हुए ऋषिकेश, कुर्ग, केरल, धर्मशाला और उदयपुर के कई प्रीमियम वेलनेस रिजॉर्ट्स में इस उभरते सेक्टर के लिए तैयारी करनी शुरू कर दी है। इन रिजॉर्ट्स के कमरों में टीवी या डिजिटल गैजेट्स की मनाही होती है। कमरों में पूरी तरह सन्नाटा और अंधेरा बनाए रखने के लिए विशेष पर्दों का इस्तेमाल किया जाता है। सोने से पहले लेवेंडर एरोमा थैरेपी और विशेष मेलेटोनिन रिच डाइट या हर्बल टी दी जाती है, जो गहरी नींद लाने में मदद करती है। उत्तराखंड के मारचुला में एक रिजॉर्ट के संचालक करण कहते हैं, 'आजकल की शहरी जिंदगी से हर कोई बाकिफ है। देर रात तक लैपटॉप पर काम करना, टीवी या मोबाइल देखना, एक ऐसी आदत बन गई है कि उससे छुटकारा नहीं मिल पा रहा। डेडलाइंस को पूरा करने के लिए पेशेवर लोग आधी-आधी रात तक स्क्रीन से चिपके होते हैं। इसका सेहत पर असर पड़ता है। इसलिए स्लीपकेशन के दौरान उनके सुकून का विशेष ध्यान रखा जाता है। कोई डिस्टर्ब न करे ताकि वे साथ आए दोस्तों अथवा परिजनों से बात करें। सुबह के समय उनके लिए योग एवं ध्यान और शाम को संगीत का सेशन रखा जाता है, जिससे कि उनका दिमाग शांत रहे और वे अच्छी नींद ले सकें। *'

कार्य प्रगति पर है !

शहर के लोग सड़क पर फैले कीचड़ की फिसलन से हलकान हो रहे हैं और उधर, नेता, अधिकारी, इंजीनियर और ठेकेदार स्वीकृत राशि पर अपनी-अपनी पकड़ बनाने के लिए बेताब दिख रहे हैं। यही कारण है कि जो कार्य तीन महीनों में पूर्ण होना था, वो एक साल तीन महीने के बाद भी अधूरा पड़ा हुआ है।

घर के पुरुषों को भी बरामदे, कमरों और पोर्च की साफ-सफाई के लिए आदेश देती रहती हैं। इससे बचने के लिए काम-काजी पुरुष वर्ग, बहाने बनाकर अपने कार्यस्थल पर सुबह जल्दी जाते और शाम को विलंब से घर लौटते हैं।

सड़क के किनारे मौजूद गटर और नालियां भी लंबे समय से अपने जीर्णोद्धार के लिए खुली हुई हैं, जिससे जमा गंदे पानी में मच्छरों के झुंड बिना रोक-टोक के



यायावरी करते रहते हैं। उनकी सक्रियता से सरकारी और निजी अस्पताओं में मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया के मरीजों की लाइन दिन-प्रतिदिन लंबी होती जा रही है। कुछ जागरूक नागरिकों ने अपने घर के सामने मौजूद जलयुक्त कुंड को पार करने के लिए पट्टिए के अस्थाई पुल का निर्माण कर रखा है। लेकिन सावधानी हटते ही उस पर भी दुर्घटना घटित हो जाती है। मुख्य सड़क से लगे मकान के रहवासी बेचारे जी,

कल संध्या काल में अपनी इलेक्ट्रिक स्कूटी सहित वहीं गटरदोज हो गए। न केवल उनके धवल वस्त्र गंदगी से अलंकृत हुए, उनकी स्कूटी में भी हलचल बंद हो गई। जुगत बाबू की धर्मपत्नी के साथ भी वहीं हादसा हो गया। वे सब्जी मंडी से थैला भरकर ताजी तरकारी लेकर आ रही थीं। छत पर खड़ी पड़ोसन से बात करने में मगन, उन्हें नाली का ध्यान नहीं रहा और वे सब्जी सहित नाली में समा गईं। आस-पास के लोगों ने

लघुकथा / कृति आर.के. जैन

पिता का तकिया



कभी नहीं पढ़ा। उसने तर्किए को सीने से लगा लिया। उस दिन वह पहली बार फूट-फूटकर रोया, क्योंकि दुनिया का सबसे महंगा तकिया वही होता है, जिसमें रुई नहीं, अधूरी प्रतीक्षाएं भरी हों। रिश्ते अभाव से नहीं, उपेक्षा और प्रतीक्षा से दम तोड़ते हैं। *'



ऑनलाइन शॉपिंग का बढ़ता ट्रेंड ऑफर-रिटर्न ट्रैप से रहें सावधान

फेस्टिव सीजन के साथ ही जमकर शॉपिंग भी शुरू हो जाती है। इसी के चलते ऑनलाइन शॉपिंग में ऑफर्स और कई लालच दिए जाते हैं। इसको अच्छी तरह समझना और इसके जाल में फंसने से बचने के लिए सावधानी जरूरी है।

लाइफस्टाइल / विवेक कुमार

कभी बाजार जाने के लिए समय निकालना पड़ता था, दुकान-दुकान घूमना पड़ता था, फिर भी मनपसंद चीज मिलेगी या नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं होती थी। अब वही खरीदारी मोबाइल स्क्रीन पर कुछ मिनटों में ही हो जाती है। कपड़ों से लेकर कॉस्मेटिक, किचन का सामान, जूते, बैग, बच्चों की चीजें और रोजमर्रा का राशन तक घर बैठे मंगाया जा सकता है। इससे महिलाओं को बहुत सुविधा हुई है। लेकिन इस सुविधा में नई तरह की चुनौतियां और फंसाने वाले जाल भी मौजूद होते हैं।

ऑफर के लालच से बचें: ऑनलाइन बाजार में ग्राहक को आकर्षित करने के लिए लगातार सेल, कूपन, फ्लैश डील, आज आखिरी मौका, सिर्फ दो पीस बाकी, मुफ्त डिलिवरी जैसे संदेश बार-बार इस तरह दोहराए जाते हैं कि आपके दिमाग में बैठ जाएं। ऐसे में कई बार हमें जरूरत नहीं होती, फिर भी हम ढेर सारी चीजें खरीद लेते हैं। क्योंकि ऑनलाइन खरीदारी में एक भ्रम यह बना दिया गया है कि यहां सब कुछ बहुत सस्ता मिल रहा है। ऐसे में लोग सोचते हैं, जब 40 फीसदी तक सस्ता है, तो खरीद ही लेना चाहिए। लेकिन जब हमें किसी चीज की जरूरत न हो, तो उसकी खरीदारी बचत नहीं बल्कि एक तरह का खर्च होता है। इसलिए किसी भी डील को देखकर सबसे पहले खुद से पूछना चाहिए, अगर इस पर छूट नहीं होती, तो क्या मैं इसे खरीदता? अगर जवाब नहीं है, तो इसका मतलब है खरीदारी की जरूरत नहीं थी, बस विज्ञापन के प्रभाव में आकर खरीद लिया। एक बात और याद रखें ऑनलाइन खरीदारी में सबसे बड़ा आकर्षण तस्वीरों का होता है। शानदार रोशनी में खींची गई मॉडल की तस्वीर देखकर कोई ड्रेस बेहद खूबसूरत लग सकती है। लेकिन वास्तविक उत्पाद का रंग, कपड़े की गुणवत्ता या फिट का आकार जरूरी नहीं कि अच्छा ही हो। इसलिए केवल तस्वीर



पर भरोसा करना सही नहीं है। उत्पाद का विवरण पढ़ना भी बहुत जरूरी है। **जरूर पढ़ लें रिव्यू:** जब ऑनलाइन खरीदारी करें, तो सबसे कारगर होते हैं पहले के खरीदारों के खरीद संबंधी रिव्यू। इसलिए जब भी ऑनलाइन कोई चीज खरीदें, तो उसके पहले ऑनलाइन रिव्यू जरूर पढ़ें। हालांकि यहां भी हर खरीदार की उसकी अपनी समीक्षा को बिल्कुल सत्य न मान लें। बेहतर है कि कई खरीदारों की प्रतिक्रियाएं पढ़ें, खासकर उन टिप्पणियों को विशेष रूप से देखें, जिनमें उत्पाद की कमियां विस्तार से बताई गई हों।

रेंटिंग स्टार्स से रहें सावधान: जहां तक रेंटिंग की बात है तो रेंटिंग के स्टार देखकर अंतिम निष्कर्ष पर न पहुंचें बल्कि लिखी हुई टिप्पणी का मतलब ज्यादा सच होता है। पांच सितारे देखकर तुरंत प्रभावित होने की बजाय, यह देखना ज्यादा उपयोगी होता है कि ग्राहक ने वास्तव में लिखा क्या है? कई बार हजारों लोगों की अच्छी रेंटिंग के बावजूद आपकी जरूरत के लिए उत्पाद अनुपयुक्त हो सकता है।

जान लें रिटर्न पॉलिसी: ऑनलाइन खरीदारी में एक सबसे बड़ी भूल है कि उत्पाद खरीदने से पहले रिटर्न पॉलिसी न पढ़ना। कई उत्पादों पर रिटर्न उपलब्ध नहीं होता। कुछ पर केवल रिफ्लेसमेंट होता है। जबकि कुछ में रिफंड के लिए विशेष शर्तें होती हैं। कपड़े, कॉस्मेटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और व्यक्तिगत उपयोग की वस्तुओं के नियम अलग-अलग हो सकते हैं। इसलिए भुगतान करने से पहले यह देखना चाहिए कि उत्पाद वास्तव में रिटर्न किया जा सकता है या नहीं। कितने दिनों के भीतर किया जा सकता है और रिफंड किस माध्यम से मिलेगा?

सही प्लेटफॉर्म चुनें: सस्ती कीमत देखकर किसी अनजान वेबसाइट पर तुरंत भुगतान करना जोखिमभरा हो सकता है। वेबसाइट का नाम, संपर्क, जानकारी, रिटर्न नीति और भुगतान का विकल्प देखकर ही खरीदारी करनी चाहिए। *'

कविता के आकाश में स्त्री चेतना के स्वर

कवित्री आरती आस्था का पांचवां कविता संग्रह 'छत पर लड़कियां' कुछ समय पूर्व प्रकाशित हुआ है। इन कविताओं की रेंज बहुत बड़ी ही नहीं बहुस्तरीय भी है। यहां सदियों से पितृसत्तात्मक सोच वाले समाज में पली-बढ़ी स्त्री को दारुण व्यथा के साथ ही स्त्री चेतना का वह स्वर भी गुंजता है, जो हर अनुचित प्रतिबंध को अस्वीकारता है। 'छत पर खड़ी लड़कियां/देखते हुए डूबते

सूरज को/सीखती हैं, डूबना नहीं है डूबना/यह प्रक्रिया भर है/दोबारा से उगने की।' जैसी पंक्तियां यह साबित करती हैं कि स्वतंत्रचेता स्त्री प्रतिकूल परिस्थितियों में भी हार मानने के बजाय नई उड़ान भरने को तत्पर रहती है। 'बिंदी और सिंदूर' कविता एक ऐसा बिंब उकेरती है, जो पारंपरिक प्रतीकों को भी नए संदर्भ में परिभाषित करती है। यहां स्पष्ट होता है कि आज स्त्री अपने अस्तित्व को स्वीकारने में जरा भी नहीं हिचकिचाती है। स्त्री की सोच में आए क्रांतिकारी

किसी तरह अपनी हंसी पर नियंत्रण कर उन्हें बाहर निकाला। वे रुआंसी होकर कीचड़ से सने हुए कपड़े धारण किए घर में प्रविष्ट हुईं। अभी दो दिन पहले ही एक नवयुवक बाइक सवार मोबाइल पर अपनी प्रेयसी से बात करने में इतना मशगूल हुआ कि अपनी स्ट्राइलिश बाइक समेत नालीदर्शन को प्रवेश कर गया। बमुश्किल लोगों ने उसको बाहर निकाला। इस तरह की तमाम घटनाएं लगातार होती रहती हैं। कार्य में प्रगति भले न के बराबर हो लेकिन आते-जाते लोगों को 'कार्य प्रगति पर है' का बोर्ड जरूर दिखाई पड़ता है।

सड़क निर्माण में विलंब को पक्ष और विपक्ष के नेता आपदा में अवसर के रूप में देखते हैं। वे नेता जो चार साल पहले चुनावी रण में धूल काट चुके थे, वे एक लंबे अंतराल के बाद अपने पंख फड़फड़ा कर मुद्दा लपकने की चेष्टा में जुट जाते हैं, ताकि उनकी राजनीतिक बेरोजगारी दूर हो सके। वहीं सत्तासीन नेता यह प्रयास करते हैं कि सड़क निर्माण कार्य चुनाव के ठीक पहले ही पूर्ण हो, ताकि उनके अपने क्षेत्र में विकास कार्यों की फेहरिस्त में इसे जोड़ा जा सके और जाते जाते के जरिए को और मजबूत किया जा सके। *'

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कविता के आकाश में स्त्री चेतना के स्वर

कवित्री आरती आस्था का पांचवां कविता संग्रह 'छत पर लड़कियां' कुछ समय पूर्व प्रकाशित हुआ है। इन कविताओं की रेंज बहुत बड़ी ही नहीं बहुस्तरीय भी है। यहां सदियों से पितृसत्तात्मक सोच वाले समाज में पली-बढ़ी स्त्री को दारुण व्यथा के साथ ही स्त्री चेतना का वह स्वर भी गुंजता है, जो हर अनुचित प्रतिबंध को अस्वीकारता है। 'छत पर खड़ी लड़कियां/देखते हुए डूबते



हो गया है। इससे भारतीय समाज में शोषित-दमित होकर जीने वाली स्त्रियों के स्वर में वैश्विक आंधी आबादी का स्वर भी घुलता-मिलता नजर आता है। कह सकते हैं कि आरती आस्था के इस कविता संग्रह में स्त्री जीवन की अनेक छवियां उजागर हुई हैं। *'

पुस्तक: छत पर लड़कियां (कविता संग्रह), **लेखिका:** आरती आस्था, **मूल्य:** 299 रुपये, **प्रकाशक:** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली



गणपति बप्पा का भव्य विसर्जन आस्था-सामूहिकता का उत्सव

पर्व-संस्कृति
धीरेज बढ़ाक

विघ्न विनाशक गणपति की विदाई का दृश्य अपने आपमें भारतीय संस्कृति का एक अनूठा दृश्य होता है। सिर पर पगड़ी बांधे बुजुर्ग, जयघोष करते युवा और रंग-बिरंगे कपड़ों में सजी महिलाएं, कंधों पर गणपति की प्रतिमा उठाए भक्तगण और ढोल की थाप पर थिरकते अलग-अलग उम्र के लोग-सब एक ही स्वर में पुकारते हैं, ‘गणपति बप्पा मोरया!’ कुछ घंटे पहले तक जो प्रतिमा किसी घर, गली या मुहल्ले के एक मंडप की केंद्र बिंदु थी, विसर्जन के समय वह हजारों लोगों की साझी आस्था और भावनाओं का केंद्र बन जाती है। यही गणेश विसर्जन की सबसे बड़ी सांस्कृतिक विशेषता है। यही भव्य दृश्य आगामी (25 सितंबर) अनंत चतुर्दशी को फिर देखने को मिलेगा।

सामूहिकता-साझेदारी का उत्सव

गणेशोत्सव की खूबसूरती केवल प्रतिमा की स्थापना और पूजा में नहीं बल्कि उसके आस-पास निर्मित होने वाली सामुदायिक दुनिया में भी है। मुहल्ले में मंडप लगाना, मिलकर सजावट करना, सामूहिक रूप से प्रसाद तैयार करना और फिर मिलकर आरती में शामिल होना, वास्तव में गणेश स्थापना से लेकर गणेश विसर्जन तक एक लंबा सांस्कृतिक उल्लास लोगों के बीच छाया रहता है। यह उल्लास विसर्जन के समय चरम पर पहुंचकर भावुक विदाई में बदल जाता है। अगर गणेश विसर्जन को ध्यान से देखें तो लगता ही नहीं कि यह किसी मूर्ति का विसर्जन है। ऐसे लगता है जैसे अपने किसी अत्यंत प्रिय से हम बिछड़ रहे हों। गणेश-प्रतिमा विसर्जन के समय सामूहिकता का सौंदर्य देखने लायक होता है। कोई प्रतिमा उठता है, कोई रास्ता साफ करता है, कोई पानी बांटता है, कोई ढोल बजाता है, कोई फूल बरसाता है, कोई पीछे चल रहे बच्चों का ध्यान रखता है, यह समूचा उल्लास सामूहिकता और साझेदारी का उत्सव होता है।



मिट जाते हैं सभी भेदभाव

गणेश विसर्जन भारतीय समाज की उस पुरानी परंपरा को जीवित करता है, जिसमें उत्सव केवल देखने की चीज नहीं है, मिलकर जीने का आयोजन होता है। सामान्य दिनों में भले भारतीय समाज की सामाजिक संरचना में जाति, वर्ग, पेशा और आर्थिक स्थिति की अनेक दूरियां दिखाई पड़ती हों, लेकिन गणपति पूजा में यह कहीं नहीं दिखती।

किसी हाथ में आरती की थाली होती है, तो कोई रस्सी पकड़कर प्रतिमा के साथ चल रहा होता है, कोई ढोल बजा रहा

होता है और कोई नृत्य कर रहा होता है। यहां व्यक्ति की सामाजिक पहचान से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण उसकी साझी भागीदारी बन जाती है। यही वजह है कि गणेशोत्सव सिर्फ पूजा का पर्व नहीं बल्कि सामाजिक मेल-जोल का सार्वजनिक उत्सव होता है।

पीढ़ियों को जोड़ता उत्सव

गणेश विसर्जन सांस्कृतिक उत्सव कई पीढ़ियों को एक साथ जोड़ देता है। बुजुर्गों के पास परंपरा की स्मृतियां होती हैं, युवाओं के पास ऊर्जा और आयोजन की जिम्मेदारी संभालने का भाव होता है। बच्चे पूरे उत्सव में उत्सुकता और विस्मय के साथ भागीदार रहते हैं। एक बुजुर्ग जब बच्चे को समझाता है कि गणपति की स्थापना क्यों की जाती है और विसर्जन का अर्थ क्या है, तो यह सिर्फ एक धार्मिक जानकारी नहीं होती। यह उस

विशेष: अनंत चतुर्दशी, 25 सितंबर

अनंत चतुर्दशी के अवसर पर सैकड़ों ढोल की थाप, सामूहिक जयघोष और भक्तों की नम आंखों के बीच गणपति बप्पा की विदाई केवल एक प्रतिमा का विसर्जन नहीं, बल्कि सामूहिक आस्था और अपनत्व का उत्सव भी होता है। हजारों हाथ जब बप्पा को विदा करते हैं, तो हर कदम में परंपरा, साझेदारी और अगले बरस लौटने की उम्मीद साथ चलती है।

सांस्कृतिक स्मृति को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का जरिया होती है, जो ऐसी ही परंपराओं से मिलती है। इस तरह हर साल होने वाला विसर्जन परंपरा की पुनरावृत्ति के साथ-साथ उसके हस्तांतरण का भी अवसर बन जाती है।

विदाई के साथ पुनर्मिलन का विश्वास

गणपति विसर्जन का सबसे भावुक क्षण वह होता है, जब भक्त गणपति की प्रतिमा को विदा करते हैं, लेकिन इस विदाई में स्थाई वियोग का भाव नहीं होता। क्योंकि विदाई के दौरान जो जयकारा लगता है, उसमें विदाई के साथ-साथ वापसी का निवेदन कहीं ज्यादा मुखर होता है, ‘गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ।’ यह जयघोष भारतीय संस्कृति के एक गहरे जीवनदर्शन को व्यक्त करता है। यहां विदाई के साथ पुनर्मिलन का विश्वास मौजूद होता है। इसलिए विसर्जन का दुःख अगले आगमन की प्रतीक्षा के एहसास में कम हो जाता है। मिट्टी की प्रतिमा का पानी में विलीन होना भी इसी भाव को विस्तार देता है, जिस मिट्टी से आकृति बनी, वह फिर प्रकृति में लौट जाती है। प्रतीकात्मक रूप में यह प्रक्रिया यह बताती है कि रूप बदलता है, लेकिन संबंध और स्मृति बने रहते हैं।

गढ़ते हैं जीवंत लोक-संस्कृति

गणेश विसर्जन केवल धार्मिक जुलूस नहीं होता। ढोल-ताशे, लोकगीत, नृत्य, पारंपरिक वाद्य और सामूहिक जयघोष यह सब मिलकर एक जीवंत लोक-संस्कृति गढ़ते हैं। महाराष्ट्र में विशेषकर ढोल, ताशा तथा विसर्जन यात्रा का हिस्सा होते हैं। उनकी यह सामूहिक लय केवल संगीत नहीं पैदा करती बल्कि साथ चल रही भीड़ को भी एक रिश्ता, एक साझी ताल देती है। हजारों कदम जब एक ही ताल पर उठते हैं और एक ही ताल पर जमीन में गिरते हैं, तो व्यक्ति भीड़ का एक हिस्सा भर नहीं रहता बल्कि सामूहिक अनुभव का सहभागी बन जाता है। गणेश विसर्जन में यही सांस्कृतिक अनुभव हर कोई महसूस करता है।

साझी भावनाओं का सांस्कृतिक प्रदर्शन

गणेश प्रतिमा भले किसी एक परिवार ने स्थापित की हो या किसी सार्वजनिक मंडल ने, पर उसकी विदाई सामूहिक होती है। विसर्जन यात्रा जहां-जहां से गुजरती है, वहां-वहां के लोग इसका हिस्सा हो जाते हैं, फिर भले चाहे वो कुछ कदम चलकर इससे अलग हो जाएं। विसर्जन जुलूस जहां से गुजरता है, वह अजनबी भीड़ के रूप में नहीं गुजरता बल्कि हर जगह मौजूद लोग इसमें शामिल हो जाते हैं। इसलिए विसर्जन वास्तव में प्रतिमा को महज पानी में प्रवाहित करने की प्रक्रिया नहीं है, यह साझी आस्था, साझी जिम्मेदारी और साझी भावनाओं का सामूहिक और सांस्कृतिक प्रदर्शन है। *

डिजिटल इंपैक्ट डी. जे. नंदन

एक समय था, जब बॉलीवुड सितारों की लोकप्रियता का पैमाना सिनेमाघरों के बाहर लगी भीड़, फिल्मी पत्रिकाओं के कवर और टीवी इंटरव्यू हुआ करते थे। किसी अभिनेता की फिल्म रिलीज होती थी, तो शहरों की दीवारें उसके पोस्टर से पट जाती थीं। आज का दौर उस दौर से बिल्कुल अलग है। अब किसी भी फिल्म की सफलता का पहला संकेत टिकट खिड़की पर नहीं बल्कि इंस्टाग्राम रीलस, यू-ट्यूब शॉर्ट्स और एक्स (ट्विटर) के ट्रेंडिंग हैशटैग में दिखाई देता है। बदल गई स्टारडम की परिभाषा: बॉलीवुड में स्टारडम का गणित इस सोशल मीडिया के युग में पूरी तरह से बदल चुका है। आज किसी अभिनेता की लोकप्रियता का पैमाना, सिर्फ उसकी अभिनय क्षमता नहीं बल्कि सोशल मीडिया पर उसकी फैन फॉलोइंग मानी जाती है। आज के इस डिजिटल दौर में फैन आर्मी और सोशल मीडिया पर पैदा होने वाले बज से किसी भी स्टार का असली स्टारडम तय होता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म, अब हिंदी फिल्मों की खोज और दर्शकों को सिनेमाघरों तक पहुंचाने वाले सबसे प्रभावी माध्यमों में गिने जा रहे हैं। फैन आर्मी में बदला फैन क्लब: 1990 और 2000 के दशक में फिल्म स्टार्स के फैन क्लब हुआ करते थे। वे पोस्टर लगाते थे, अपने पसंदीदा एक्टर का जन्मदिन मनाते थे और कभी-कभी वो थिएटर के बाहर जहां उनके फेवरेट एक्टर की फिल्म लगी होती थी, वहां जश्न मनाया करते थे। लेकिन आज यही फैन क्लब, फैन आर्मी में तब्दील हो चुके हैं। किसी फिल्म का टीजर आते ही उस फिल्म के एक्टर के हजारों प्रशंसक उसे सोशल मीडिया में शेयर करते हैं। पहले जो चर्चा गली-गली तक पहुंचने के लिए कई दिन और कई हफ्तों लिया करती थी, आज वह चर्चा सोशल मीडिया के जरिए प्रशंसकों के बीच कुछ ही घंटों में पहुंच जाती है।

इनसे प्रूफ होता है सोशल मीडिया इंपैक्ट

‘अल्फा’ का टीजर और डिजिटल ट्रैकिंग: कुछ समय पहले आलिया भट्ट अभिनीत फिल्म ‘अल्फा’ का टीजर आते ही सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा शुरू हो गई। कई बड़े सितारों ने सार्वजनिक रूप से इसकी सरहना की, जिससे फिल्म को अत्यधिक डिजिटल बडत मिल गई। यू-ट्यूब फैनफेस्ट: वरुण धवन ने यू-ट्यूब फैनफेस्ट में अपनी फिल्म के गीत का लाइव प्रार किया है।यह दिखाता है कि डिजिटल आयोजनों का महत्व अब पारंपरिक प्रेस कॉन्फ्रेंस से ज्यादा हो गया है। वायरल वीडियो का इंपैक्ट: 2026 के गणतंत्र



दिवस रिहर्सल में सेनिकों का एक बॉलीवुड गीत पर मार्च करते हुए वीडियो वायरल हुआ और पुराने हिट गीत को एक झटके में नई पीढ़ी तक पहुंचा दिया गया। इस तरह सोशल मीडिया पुराने कंटेंट को भी लोकप्रिय बनाने में देर नहीं लगाना। इंपलूएंसर मार्केटिंग: फिल्म निर्माता, इंस्टाग्राम और यू-ट्यूब इंप्लूएंसर्स के साथ साझेदारी कर रहे हैं ताकि पारंपरिक विज्ञापनों से आगे सीधे युवाओं तक पहुंच सकें। हालिया बॉलीवुड अध्ययनों के अनुसार यू-ट्यूब, इंस्टाग्राम और कुछ एप्स अब दबक्यों को फिल्म देखने के लिए प्रेरित करने लगे हैं।

किसी समय तक फिल्मों का प्रचार और एक्टर्स का स्टारडम कई पारंपरिक तरीकों पर निर्भर होता था। आज सोशल मीडिया पर एक रील, एक वायरल डायलॉग या लाइव किसी स्टार की चमक रातों-रात आसमान तक पहुंचा सकते हैं। अब सोशल मीडिया फॉलोअर्स किसी एक्टर का स्टारडम तय करने में बड़ा रोल निभा रहे हैं।

सोशल मीडिया से बदल रहा बॉलीवुड स्टारडम का सीन



दर्शकों-फैंस से सीधे जुड़ रहे कलाकार: वास्तव में सोशल मीडिया ने कलाकारों को सीधे-सीधे दर्शकों से जोड़ दिया है। पहले सितारों और दर्शकों के बीच मीडिया की एक दीवार होती थी। अब फिल्म स्टार्स अपने फोन से सोशल मीडिया के जरिए सीधे करोड़ों लोगों तक पहुंच जाते हैं। प्रचार का बड़ा माध्यम बना सोशल मीडिया: दुनिया भर में सुपर फैन इकोनॉमी, एक बड़ा और कल्चरल इकोनॉमी का मॉडल बन चुका है। इसमें प्रशंसक किसी कलाकार के प्रचारक की भूमिका निभाते हैं। आज फिल्म के गानों की सफलता का एक पैमाना यह है कि उस पर कितनी रीलस बनी हैं। निर्माता अब ऐसे गीत और संवाद तैयार करवाते हैं, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो सकें। इंस्टाग्राम, यू-ट्यूब और

डिजिटल इंप्लूएंसर्स के सहयोग से फिल्म प्रचार का स्वरूप पूरी तरह से बदल गया है। वास्तव में आज फिल्म के प्रचार का बड़ा हिस्सा फिल्म के कंटेंट, उसकी बनावट-बुनावट से कहीं ज्यादा उसका एंजोरिश्म हो चुका है। कौन-सा वीडियो कितने लोगों तक पहुंचेगा, कौन-सा गाना वायरल होगा, कौन-सा संवाद बनेगा, इन सबका निर्णय अब काफी हद तक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में होने लगा है। यही वजह है कि निर्माता अब सबसे पहले अपने फिल्म के प्रचार-प्रसार और अच्छे व्यवसाय के लिए मजबूत डिजिटल टीम का गठन करते हैं। डिजिटल इंपैक्ट रखता है मायने: यह सच है कि आज भी केवल सोशल मीडिया के जरिए कोई फिल्म हिट नहीं हो सकती है। लेकिन यह बात भी सही है कि सोशल मीडिया की चर्चा के बिना आजकल अच्छी से अच्छी फिल्में भी चर्चा से वंचित रह सकती हैं। आज अखबारों, टीवी चैनलों और किसी जमाने में शहर में घूम-घूमकर लाउडस्पीकर के जरिए फिल्म का प्रचार करने वाला तौर-तरीका सब खत्म हो चुका है और अगर है भी तो वो प्रभावी नहीं रहा। आज एक वायरल रील, मीम या हैशटैग से फिल्म का जबर्दस्त प्रचार हो सकता है और हो रहा है। इस पूरे सिनेरियो को देखकर यह कहना गलत नहीं होगा कि आने वाले वर्षों में किसी बॉलीवुड एक्टर का स्टारडम पूरी तरह इस बात से तय होगा कि उस अभिनेता के फालोअर्स कितने हैं? उसकी डिजिटल एंगेजमेंट क्या है? और उसकी फैन कम्युनिटी और ऑनलाइन प्रभाव कितने महत्वपूर्ण हैं? *

काफी सिर्फ एक पेय नहीं है, बल्कि यह वैश्विक संस्कृति और न जाने कितनी अनेकही कहानियों का हिस्सा भी है। सुबह या शाम गरमा-गरम कॉफी पीना दुनिया के करोड़ों लोगों की दिनचर्या का हिस्सा है। कॉफी बाँस को वनस्पति विज्ञान के नजरिए से देखा जाए, तो यह नाम पूरी तरह से एक भ्रांति है। कॉफी का एक छोटा पेड़ होता है, जिस पर चमकीले लाल रंग के फल लगते हैं, जिन्हें ‘कॉफी चेरी’ कहा जाता है। इन फलों के अंदर दो बीज होते हैं। जब फल पक जाते हैं, तो उनके गूदे को हटाकर इन बीजों को निकाला जाता है, जिन्हें हम भूनकर कॉफी पावडर बनाते हैं। क्या आप जानते हैं कि कॉफी से जुड़े कुछ किस्से भी बेहद मजेदार और हैरान करने वाले हैं?

कॉफी के खिलाफ महिलाओं का आंदोलन: 17वीं शताब्दी के लंदन में कॉफी हाउसेस, पुरुषों के सामाजिक जीवन का मुख्य केंद्र बन गए थे। पुरुष दिन भर घरो से बाहर रहकर कॉफी हाउसों में राजनीति, व्यापार और दर्शनशास्त्र पर चर्चा करते थे। इससे तंग आकर साल 1674 में लंदन की महिलाओं ने एक अनेखा मोर्चा खोला, जिसे हिस्ट्री में ‘द विमैस पिटीशन अगेंस्ट कॉफी’ के

पक्षी जगत एन. के. अरोड़ा

जमीन से मीलों ऊपर उड़ते हुए कुछ पक्षी जब हजारों किलोमीटर की अपनी लंबी यात्रा पर होते हैं, तो हर समय जगें हुए नहीं होते, बीच-बीच में सोते भी हैं। फिर चाहे वे आसमान में उड़ रहे हों, उसके नीचे चारों तरफ हजारों मील तक समुद्र ही क्यों न पसरा हो। यही नहीं अगर सैकड़ों किलोमीटर तेज आंधी भी चल रही होती है, तो भी उनकी सेहत पर फर्क नहीं पड़ता। वे उस समय भी उड़ते हुए अपनी जरूरी नौद ले लेते हैं। ऐसी ही अद्भुत विशेषताओं वाले पक्षियों में ग्रेट फ्रिगेटबर्ड भी शामिल है।

वैज्ञानिकों ने किया अँज्वः ग्रेट फ्रिगेटबर्ड पर लगातार नजर रखते हुए वैज्ञानिकों ने पाया है कि यह कई-कई दिनों तक आसमान में उड़ते हुए जमीन पर नहीं उतरता और बिना रुके अपनी यात्रा जारी रखता है। ऐसा करते हुए इसके मस्तिष्क का एक हिस्सा घंटों-घंटों आराम करता है और दूसरा हिस्सा जरूरी काम यानी उड़ान को संचालन करता है। ऐसा करते समय इसकी एक आंख बंद हो सकती है और मस्तिष्क का विपरीत हिस्सा आराम कर सकता है, जबकि दूसरी आंख और मस्तिष्क का दूसरा हिस्सा संजग रहता है और अपनी परिस्थितियों तथा वातावरण पर लगातार नजर रखता है।

रोचक / शिखर चंद जैन

टेस्टी कॉफी से जुड़ी इंट्रेस्टिंग स्टोरीज



हिस्सा माना जाता था। वहाँ एक कानून था कि यदि कोई पति अपनी पत्नी को रोजाना एक निश्चित मात्रा में कॉफी उपलब्ध कराने में असमर्थ रहता था, तो पत्नी को इस आधार पर अपने पति से कानूनी रूप से तलाक लेने का पूरा अधिकार था। उस दौर में पुरुषों के लिए पत्नी के लिए कॉफी का इंतजाम करना सबसे जरूरी काम माना जाता था। *

आपको जानकर अचरज होगा कि आकाश में कई मील की ऊँचाई पर उड़ते पक्षी अपनी लंबी उड़ान के दौरान सो भी लेते हैं। उड़ते-उड़ते सोने का यह कमाल वे कैसे कर लेते हैं?

कैसे बेफिक्र होकर सोते हैं

आसमान में उड़ते पक्षी



हवा का भी लेते हैं सहारा: वैज्ञानिकों ने यह भी पाया है कि ग्रेट फ्रिगेटबर्ड और लंबी उड़ान भरने वाले अन्य पक्षी उड़ते समय हवा को अपने एक सहारे के रूप में इस्तेमाल करते हैं। यही कारण है कि जब वे ऊँचे आसमान में लंबी उड़ान पर होते हैं, तब बार-बार पंख नहीं फड़फड़ाते। वास्तव में समुद्र के ऊपर उठने वाली गर्म हवा और वातावरण में मौजूद हवा की धाराओं का बड़ी चतुराई से इस्तेमाल करते हुए ये पक्षी उसमें ग्लाइडिंग करते हैं। यह ऊर्जा बचाने और लगातार उड़ान के बावजूद न थकने का एक सीक्रेट तरीका भी है। जैसे कोई ग्लाइडर

विमान, हवाओं की धाराओं का इस्तेमाल करते हुए कम या बिल्कुल कम ऊर्जा का इस्तेमाल करके उड़ान की दूरी तय कर सकता है। उसी तरह ये पक्षी भी वातावरण की ऊर्जा को अपने हित में इस्तेमाल करने की जुगत जानते हैं।

ऐसे लेते हैं हवा में नौद: वैज्ञानिकों ने अब तक जो स्टडी की है, उसके आधार पर आसमान में लंबी उड़ान के दौरान पक्षियों की नौद सीमित तथा नियंत्रित होती है। इसे वैज्ञानिकों ने ‘स्लो वेब स्लीप’ माना है और पाया है कि उड़ान के दौरान इनकी यह नौद जमीन पर उनके सोने की तुलना में बिल्कुल अलग होती है।